हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार 22 जून 2026

11 खाटूश्याम की भक्ति रसधार में गोता लगाते हुए जमकर ...

12 योग को अपनाते हुए प्रकृति के साथ जुड़े ...

खबर संक्षेप

सिंचाई मंत्री के ऑफिस का घेराव 25 को

भिवानी। किसान सभा और संयुक्त किसान मोर्चा ने विभिन्न मांगों को लेकर 25 जून को सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी के कैंप ऑफिस के घेराव का ऐलान किया है। किसान सभा के जिला प्रधान रामफल देशवाल, उपप्रधान ओमप्रकाश और जिला सचिव मास्टर जगरोशन ने कहा कि बरसात से पहले सभी ड्रेनों, नहरों और नालों की सफाई कराई जाए तथा उनके किनारों को मजबूत किया जाए। वर्ष 2025 में जलभराव और बाढ़ से प्रभावित किसानों की फसलों व मकानों का लंबित मुआवजा भी तुरंत दिया जाए। नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार लंबे समय से उठाई जा रही मांगों पर ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता, नहरों में पानी आने पर कम से कम एक सप्ताह तक जलापूर्ति तथा प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग भी रखी। किसान 25 जून को नेहरू पार्क में महापंचायत के बाद कैंप ऑफिस की ओर कूच करेंगे।

38.93 ग्राम हेरोइन सहित युवक गिरफ्तार

चरखी दादरी। हरियाणा पुलिस के नशा तस्करी विरोधी अभियान के तहत एचएसएनसीबी यूनिट ने 152-डी हाईवे पर कार्रवाई करते हुए युवक को 38.93 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता योगेश कुमार ने बताया कि एसआई राजपाल सिंह अपनी टीम के साथ दादरी-झज्जर रोड पर गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि एक युवक रोहतक से दादरी की ओर हेरोइन लेकर आने वाला है। सूचना के आधार पर टोल एंट्री-एग्जिट के पास नाकाबंदी की गई। कुछ समय बाद संदिग्ध पल्सर बाइक चालक को रोककर उसकी तलाशी ली गई तो युवक के पास 38.93 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपी की पहचान रविंद्र निवासी दादरी के रूप में हुई। पुलिस ने हेरोइन और बाइक कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिले में सात परीक्षा केंद्रों पर हुआ नीट का इम्तिहान

92.82 फीसदी अभ्यर्थियों ने दिया पर्चा, गहन जांच के बाद मिली एंट्री

सीआरपीएफ ने चप्पे-चप्पे पर रखी नजर और जिला प्रशासन भी रहा पूरी तरह अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

रविवार को नीट परीक्षा को लेकर प्रशासन और पुलिस पूरी तरह अलर्ट नजर आया। जिले में बनाए गए 7 परीक्षा केंद्रों पर 3842 परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे हैं। सुरक्षा के मद्देनजर परीक्षा केंद्रों के आसपास 200 मीटर का सुरक्षा घेरा बनाया गया है। दूसरी तरफ प्रत्येक परीक्षार्थी की जांच पड़ताल पूरी होने के बाद ही उनको परीक्षा केंद्र में प्रवेश मिला।

परीक्षार्थियों की बायोमेटीक करवाने की पूरी वीडियोग्राफी करवाई गई। प्रत्येक परीक्षार्थी को इस प्रक्रिया से गुजरने में करीब आधा घंटे तक का समय लगा। उसके बाद ही उनको परीक्षा केंद्र में प्रवेश मिला। दूसरी तरफ हरेक परीक्षार्थी की परीक्षा सीसीटीवी कैमरों के बीच हुई। परीक्षा शुरू होने से लेकर खत्म होने तक सीसीटीवी कैमरों का संचालन जारी रहा। शांतिपूर्वक तरीके से परीक्षा का आयोजन होने के बाद ही प्रशासन ने राहत की सांस ली। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट को लेकर भिवानी में कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। जिले में बनाए गए 7 परीक्षा केंद्रों पर 3842 परीक्षार्थी परीक्षा देने पहुंचे। सुबह 11 बजे से परीक्षार्थियों की एंट्री शुरू कर दी गई, जबकि दोपहर 1 बजकर 30 मिनट तक प्रवेश की अंतिम समय सीमा निर्धारित की गई। जिस वक्त परीक्षार्थियों की इंट्री शुरू हुई। उसी वक्त से परीक्षा केंद्र के बाहर परीक्षार्थियों की लाइनें लगनी आरंभ हो गई। परीक्षा केंद्र के बाहर परीक्षार्थियों के रोलनम्बर व आईडी चेक करने के बाद परीक्षा केंद्र के मुख्य गेट से प्रवेश मिला। उसके बाद परीक्षार्थियों की पूरी जांच पड़ताल व बायोमेटिक होने के बाद उनको आगे निकलने दिया।

3846 में से 276 अभ्यर्थी रहे अनुपस्थित

नीट परीक्षा के लिए कुल 3846 अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र जारी किए गए थे, जिनमें से 3570 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 276 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय केंद्र पर 672 में से 627 अभ्यर्थी उपस्थित रहे तथा 45 अनुपस्थित रहे। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, भिवानी केंद्र पर 654 में से 620 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी और 34 अनुपस्थित रहे। पीएम श्री जीजीएसएसएस भिवानी केंद्र पर 624 में से 570 अभ्यर्थी उपस्थित रहे तथा 54 गैरहाजिर रहे। इसी प्रकार एमएनएस राजकीय महाविद्यालय भिवानी केंद्र पर 528 में से 487 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी और 41 अनुपस्थित रहे। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय पलुवास केंद्र पर 480 में से 434 अभ्यर्थी उपस्थित रहे जबकि 46 अनुपस्थित रहे। राजीव गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय केंद्र पर 480 में से 442 अभ्यर्थी उपस्थित रहे और 38 अभ्यर्थी गैरहाजिर रहे। सर्वपल्ली राधाकृष्णन लैब स्कूल केंद्र पर 408 में से 390 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी तथा 18 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

कठिन था पिछला पेपर, अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

दूसरी तरफ परीक्षा देने पहुंचे छात्र विकास और कुसुम ने बताया कि वे री-नीट परीक्षा देने के लिए भिवानी पहुंचे हैं। छात्रों का कहना है कि पिछला पेपर कठिन था, लेकिन इस बार भी उन्होंने पूरी तैयारी की है। हालांकि दोबारा परीक्षा होने के कारण उन्हें और उनके अभिभावकों को अतिरिक्त परेशानी का सामना करना पड़ा है। अभिभावक सोमसिंह ने बताया कि वह अपनी बेटी को परीक्षा दिलाने के लिए बस से भिवानी पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि दोबारा परीक्षा होने से परेशानी जरूर हुई है, लेकिन उनकी बेटी ने अच्छी तैयारी की है और उन्हें बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।

पार्किंगों पर भी पुलिस की रही नजर

परीक्षा केंद्रों के बाहर पुलिस प्रशासन द्वारा अस्थाई पार्किंग व्यवस्था की गई थी। अधिकांश परीक्षार्थी रोडवेज बसों से आए थे। इनके अलावा जो परीक्षार्थी अपने वाहनों से आए थे। पुलिस प्रशासन ने उन वाहनों को परीक्षा केंद्र के आसपास अस्थाई पार्किंग में खड़ा करवा दिया। वहां पर भी पुलिस समय समय पर गश्त करती नजर आई। यहां तक उन गाड़ियों में बैठे लोगों से भी बातचीत कर जानकारी हासिल करते रहे। वहीं अभिभावकों के बैठने के लिए भी इंतजाम किए गए हैं। जिला प्रशासन और पुलिस परीक्षा समाप्त होने तक पूरी तरह अलर्ट नजर आया।

...दुकानें रही बंद

थाना शहर प्रभारी जरनैल सिंह ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से सभी परीक्षा केंद्रों पर पुलिस और सीआरपीएफ जवान तैनात किए गए हैं। परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में फोटो स्टेट की दुकानों को बंद रखा गया है। ट्रैफिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए शहर में अतिरिक्त पुलिस बल की ड्यूटी लगाई गई है, जबकि डायल-112 की टीम भी परीक्षार्थियों की सहायता के लिए उपलब्ध है। ड्यूटी मजिस्ट्रेट सोमबीर कादयान ने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से परीक्षा को लेकर पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। परीक्षार्थियों के लिए पेयजल की व्यवस्था की गई है।

प्रशासन बेखबर

राजकीय हाई स्कूल मिलकपुर के सामने जली हुई बस बनी खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

27 अप्रैल 2026 को आग लगने की घटना में दो लोगों की मौत के बाद जांच के लिए खड़ी की गई जली हुई बस आज भी शहीद जोगेंद्र सिंह राजकीय हाई स्कूल मिलकपुर के सामने सड़क के बीचों-बीच खड़ी है। घटना को डेढ़ महीने से अधिक समय बीत चुका है और विभिन्न जांच प्रक्रियाएं भी पूरी हो चुकी हैं, लेकिन बस को अब तक वहां से नहीं हटाया गया है।

स्कूल के सामने होने के कारण विद्यार्थियों, अभिभावकों और राहगीरों को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रात के समय तथा खराब मौसम में दुर्घटना की आशंका और भी बढ़ जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि जिस स्थान पर यह बस खड़ी है, उसके बिल्कुल पास खेल का मैदान भी है, जहां सुबह-शाम बच्चे खेलते हैं। इसके अलावा गांव के बुजुर्ग, युवक और महिलाएं भी प्रतिदिन सुबह-शाम टहलने और सैर के लिए इसी मार्ग का उपयोग करते हैं। ऐसे में यह जली हुई बस सुरक्षा की दृष्टि से एक गंभीर खतरा बनी हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग है कि किसी संभावित हादसे से पहले इस जली हुई बस को तत्काल हटाया जाए। लोगों का आरोप है कि प्रशासन की उदासीनता के कारण यह बस एक बड़े हादसे को न्योता दे रही है। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में होने वाली दुर्घटना की जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

27 अप्रैल 2026 को इसी बस में अचानक धमाके के साथ आग लगी थी जिसमें दो लोग जल गए थे जिंदा

मिड-डे-मील वर्कर्स की राज्य स्तरीय रैली 24 को, आर-पार की लड़ाई का होगा ऐलान

भिवानी। ऑल इंडिया यूनाइटेड ट्रेड यूनियन सेंटर (एआईयूटीयूसी) व स्कीम वर्कर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया संबंधित मिड-डे-मील कार्यकर्ता यूनियन के आह्वान पर 24 जून को भिवानी में राज्य स्तरीय रैली का आयोजन किया जाएगा। रैली में प्रदेशभर से हजारों की संख्या में मिड-डे मील कुक-कम-हेल्पर्स अपने हक की आवाज बुलंद करने के लिए शामिल होंगी। रैली की तैयारियों और कार्यकर्ताओं के शोषण पर कड़ा रुख अपनाते हुए एआईयूटीयूसी के जिला सचिव कामरेड राजकुमार बासिया ने प्रेस बयान जारी कर सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बासिया ने कहा कि राजकीय विद्यालयों में स्कूल खुलने से लेकर बंद होने तक रोजाना 8 घंटे कड़ी मेहनत करने वाली मिड-डे-मील वर्कर्स को मात्र सात हजार रुपये मासिक मानदेय दिया जा रहा है, ये मानदेय भी समय पर नहीं मिलता और केंद्र सरकार का हिस्सा मिलने में कई महीने गुजर जाते हैं। सरकार ने प्रदेश में 15 हजार 220 रुपये मासिक न्यूनतम वेतन घोषित किया है और सभी का वेतन बढ़ाया, लेकिन इन वर्कर्स का नहीं।

योग हमारे देश की प्राचीन विधा एवं अमूल्य धरोहर : तृप्ति

बहल। हरियाणा बाल अधिकार संरक्षण आयोग की चेयरपर्सन तृप्ति हरिपाल श्योराण ने रविवार को 12 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राजीव गांधी खेल स्टेडियम, बहल में आयोजित योग दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और योगाभ्यास किया। उन्होंने कहा कि योग हमारे देश की प्राचीन विधा एवं अमूल्य धरोहर है। उन्होंने कहा कि निरोगी जीवन के लिए प्रत्येक व्यक्ति को योग को अपने जीवन में ढालना चाहिए। योग के माध्यम से कई असाध्य रोगों से भी मुक्ति मिलती है। इस मौके पर योग के क्षेत्र में बेहतरीन योगदान देने पर आयुष योग शिक्षक मनेष कुमार, रेखा रानी, रेखा लांबा को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एसडीएम लोहारू मनोज दलाल, पंचायत समिति बहल के चेयरमैन विजय फौगाट, जिला पार्षद रविंद्र मंढोली, सरपंच बहल साधुराम पनिहार, बीईओ दर्शना देवी, आदि शहर के प्रमुख व गणमान्य मौजूद रहे।

अधिकारी ने पहाड़ से बिना पर्ची पत्थर चोरी के आरोप लगाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

एचएसआईआईडीसी के अधिकारी ने पुलिस को खानक पहाड़ से बिना पर्ची पत्थर चोरी, अवैध एंट्री व सरकारी राजस्व की हानि की शिकायत की है। जिस पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।एचएसआईआईडीसी के प्रोजेक्ट मैनेजर जसवीर शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 18 जून को एचएसआईआईडीसी खानक माइंस क्षेत्र के खानक पहाड़ से गंगा जमुना स्टोन क्रेशर की गाड़ी जिस पर्ची पर पत्थर लेने के लिए पहाड़ के अंदर आई वह उनके किसी रिकॉर्ड में नहीं है और वह पर्ची किसी और क्रेशर की गाड़ी की है।

उन्होंने कहा की खानक माइंस एक सरकारी माइंस है जिसमें जो गाड़ी पत्थर लेने आती है उसका अंदर आने से लेकर बाहर जाने तक की पूरी प्रक्रिया है। जिसमें गाड़ी सबसे पहले उस कांटे पर आती है जिससे उसको अंदर जाना होता है फिर कांटा ऑपरेटर को ड्राइवर उस क्रेशर का टोकन देता है जिससे उसने माल भरना है उस टोकन से पैसा की अदायगी सीधे सरकार के खजाने में होती है मगर आरोपी गाड़ी वाले ने बिल्कुल इसके विपरीत किया जो सीधे तौर पर एक सरकारी राजस्व की हानि है। एचएसआईआईडीसी के अधिकारी ने प्लाटून सिक्योरिटी कंपनी के कर्मचारी सोनू सोनी, प्रवीण, धनसर कंपनी के कंप्यूटर ऑपरेटर संजय, गाड़ी ड्राइवर विजेंद्र, एचएसआईआईडीसी के कर्मचारी अमित के इस मामले में संलिप्त होने का आरोप लगाया है और आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। जिससे भविष्य में ऐसी घटना घटित न हो और सरकारी राजस्व की हानि को रोका जा सके। जिस पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

तोशाम। रिकार्ड में नहीं उक्त गाड़ी का दृश्य।

अवैध एंट्री व सरकारी राजस्व की हानि करने वाले करीबन 5 व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस को दी शिकायत, मामला दर्ज

मास्टर सज्जन रिटायर्ड कर्मचारी वेलफेयर एसो. के जिला प्रधान बने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

रिटायर्ड कर्मचारी वेलफेयर एसोसिएशन जिला भिवानी के बैनर तले नया बस स्टैंड स्थित विश्राम गृह में पूर्व जिला प्रधान रणसिह श्योराण की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में सर्वसम्मति से नई जिला कार्यकारिणी का चुनाव संपन्न हुआ। इस चुनावी प्रक्रिया और बैठक को सफल बनाने में प्रदेश कार्यकारिणी की तरफ से प्रदेश अध्यक्ष विरेंद्र सिंह , प्रदेश महासचिव सत्यवान, संगठन के संस्थापक प्रेमसिंह व जलकरण बल्हारा वरिष्ठ नेताओं ने मुख्य रूप से शिरकत की और अपनी देखरेख में चुनाव संपन्न करवाएं।

प्रभुराम गिल को प्रधान महासचिव और कृष्ण स्वामी को उपप्रधान चुना

बैठक में सर्वसम्मति से नई जिला कार्यकारिणी का गठन किया, जिसमें मास्टर सज्जन कुमार ढाणीमाहु को जिला प्रधान, प्रभुराम गिल को प्रधान महासचिव, कृष्ण स्वामी को उपप्रधान, निहालसिंह गोयत को संगठन सचिव, अनिल भगत को उपप्रधान, सुभाष वर्मा को महासचिव, रमेश मान ढ़ाणीमाहु को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी। रिटायर्ड कर्मचारी वेलफेयर एसो. के पूर्व जिला प्रधान रणसिंह श्योराण ने कहा कि सरकार द्वारा रिटायर्ड कर्मचारियों की जायज मांगों की लंबे समय से अनदेखी की जा रही है।

सेना में फ्लाइंग ऑफिसर बनीं इशिता सांगवान का स्वागत

■ इशिता की सफलता बेटियों के उज्ज्वल भविष्य का नया सवेरा : मोहित चौधरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

बेटियां नहीं, वो तो हौसलों की उड़ान हैं, जो आसमान को पहचानती हैं। इन पंक्तियों को सच कर दिखाया है चरखी दादरी के गांव छपार की लाडली इशिता सांगवान ने।

इशिता ने भारतीय वायु सेना में फ्लाइंग ऑफिसर बनकर न केवल अपने माता-पिता का नाम रोशन किया है, बल्कि पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। वायु सेना की वर्दी में रविवार को जब इशिता पहली बार अपने पैतृक गांव छपार पहुंचीं, तो गांववासियों ने पलक-पावड़े बिछाकर उनका भव्य स्वागत किया। इस ऐतिहासिक गौरवमयी क्षण पर आयोजित भव्य समारोह में क्षेत्र के तमाम प्रबुद्ध राजनेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने हिस्सा लिया और इशिता की इस अभूतपूर्व सफलता को सलाम किया। जैसे ही फ्लाइंग ऑफिसर इशिता सांगवान ने गांव की धरती पर कदम रखा, समस्त ग्रामवासियों ने उन पर फूलों की वर्षा की। ढोल-नगाड़ों की थाप और देशभक्ति के नारों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा। गांव के बुजुर्गों ने बेटी के सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। इस दौरान इशिता ने बाबा जमनागिरी महाराज के डेरे पर माथा टेक आर्शीवाद भी लिया।

इशिता सांगवान के सम्मान समारोह में युवा भाजपा नेता मोहित चौधरी, सारंगपुर गांव के सरपंच जोगेंद्र सिंह, पंचायत समिति चरखी दादरी की वाइस चेयरपर्सन मनीषा कुमारी, भाजपा दादरी युवा जिला उपाध्यक्ष नरदेव टोनी और पूर्व जिला पार्षद धर्मेंद्र सिंह सहित अनेक गणमान्य लोगों ने शिरकत की तथा बेटी की उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज का दिन हमारे समूचे क्षेत्र के लिए स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाने जैसा है।

समस्या

भीषण गर्मी में उमरावत गांव की पेयजल समस्या बनी विकराल, ग्रामवासियों में रोष

तीन-चार महीने बाद मिलती है मात्र 15 से 20 मिनट पानी की सप्लाई, ग्रामीण टैंकरों पर निर्भर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

उमरावत में भीषण गर्मी के बीच पेयजल संकट लगातार गंभीर होता जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासनिक अधिकारियों तथा ग्राम पंचायत की ओर से समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

हालात यह हैं कि वर्षों से चली आ रही पेयजल किल्लत अब विकराल रूप धारण कर चुकी है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण संदीप कुमार, रमेश कुमार, प्रदीप, सोमबीर सहित अन्य लोगों ने संयुक्त रूप से बताया कि गांव में पेयजल संकट का मुद्दा कई बार संबंधित विभागों के अधिकारियों के समक्ष उठाया जा चुका है। इसके अलावा सीएम विंडो के माध्यम से भी मुख्यमंत्री के संज्ञान में मामला लाया गया, लेकिन समस्या का आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में जलघर बनने के बाद भी पेयजल आपूर्ति व्यवस्था में कोई विशेष सुधार नहीं हुआ। जलघर बनने के समय से लेकर आज तक गांव में पानी की किल्लत लगातार बनी हुई है। कई-कई महीनों तक घरों में पानी की सप्लाई नहीं पहुंचती और जब सप्लाई दी भी जाती है तो मात्र 15 से 20 मिनट तक ही पानी छोड़ा जाता है। ग्रामीणों के अनुसार 15 से 20 मिनट की सप्लाई के दौरान प्रत्येक घर तक मुश्किल से 300 लीटर पानी पहुंच पाता है, जो बड़े परिवारों की दैनिक जरूरतों के लिए पर्याप्त नहीं है। गर्मी के मौसम में पानी की मांग बढ़ने से स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि पेयजल संकट का सबसे अधिक असर महिलाओं पर पड़ रहा है। पानी की व्यवस्था के लिए उन्हें दूर-दराज के क्षेत्रों से पानी लाना पड़ता है।

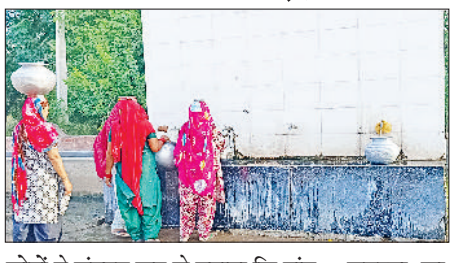

ग्रामीण बोले-समस्या का समाधान नहीं हुआ तो करेंगे बड़ा आंदोलन

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही गांव की पेयजल समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया और नियमित रूप से पर्याप्त समय तक पानी की सप्लाई सुनिश्चित नहीं की गई तो ग्रामीण कड़ा कदम उठाने पर मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, जनस्वास्थ्य विभाग तथा जनप्रतिनिधियों से तत्काल हस्तक्षेप कर गांववासियों को राहत दिलाने की मांग की है। उन्होंने सरकार से तुरंत हस्तक्षेप कर गांव उमरावत की पेयजल समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है।

चार युवाओं ने रक्तदान कर बचाई महिला मरीज की जान, ब्लड ग्रुप बी नेगेटिव रेयर

भिवानी। जब किसी की जिंदगी दांव पर लगी हो तो हर सेकेंड कीमती होता है, ऐसे में बिना वक्त गंवाए रक्तदान के लिए आगे आना ही सच्ची इंसानियत है, यह भावुक और प्रेरणादायी शब्द शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा के हैं, जिन्होंने आपात स्थिति में रक्तदान कर जरूरमंद मरीज का जीवन बचाने में अहम रोल निभाने वाले रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते हुए कही। उन्होंने कहा कि शहर के निजी अस्पताल में भर्ती महिला मरीज की रेयर ब्लड ग्रुप बी नेगेटिव की प्लेटलेट्स अचानक खतरनाक स्तर तक गिर गईं। डॉक्टरों ने आपातकालीन स्थिति को देखते हुए तुरंत ब्लड (प्लेटलेट्स) की व्यवस्था करने को कहा। परिवार परेशान था और जैसे ही इस बात की भनक सामाजिक सरोकारों में अग्रणी रहने वाले युवाओं को लगी, मदद के हाथ बढ़वे में देर नहीं लगी। सूचना मिलते ही अंकुर, ओमप्रकाश, प्रदीप निक्का व जयबीर भिवानी नप तुरंत निजी ब्लड बैंक पहुंचे और चारों युवाओं ने रक्तदान किया। नप के इन कर्मचारियों की त्वरित संवेदनशीलता ने अस्पताल में मौजूद हर व्यक्ति का दिल जीत लिया। उन्होंने कहा कि अंकुर, ओमप्रकाश, प्रदीप व जयबीर ने जो किया है, वह केवल रक्तदान नहीं बल्कि एक परिवार को नया जीवनदान है।

भिवानी का सितारा स्मारक

हरियाणा के भिवानी जिले में सितारा स्मारक एक प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल है। बताया जाता है कि यह 5वें राधास्वामी गुरु, परम संत ताराचंदजी महाराज की समाधि है, जिन्हें 'बड़े महाराज जी' के नाम से भी जाना जाता है। यह स्मारक एक षट्कोणीय संरचना है जो ज़मीन से 6 फीट की ऊँचाई पर तारे के आकार में बनी है और इसकी ऊँचाई 88 फीट है। यह स्मारक किसी खंभे या स्तंभ के बिना खड़ा है, जो इसे वास्तुकला का एक अद्भुत नमूना बनाता है।

अनमोल विरासत है बाबू बालमुकुंद गुप्त की जन्मस्थली गुड़ियानी

अपनी प्राचीन कलात्मक कारीगरी के लिए प्रसिद्ध गुड़ियानी को यदि हवेलियों का गांव कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। गुड़ियानी के हर पान्ने में पांच-सात ऐसी हवेलियां आज भी मौजूद हैं, जिनकी वास्तुकला अनूठी है।

महिमा

सत्यवीर नाहड़िया

कलम के माध्यम से नवजागरण, राष्ट्रीयता एवं आजादी की अलख जगाने वाले यशस्वी साहित्यकार एवं मूर्धन्य पत्रकार स्व. बाबू बालमुकुंद गुप्त की जन्मस्थली गांव गुड़ियानी (रेवाड़ी) अपने आंचल में राष्ट्रीय एकता, साम्प्रदायिक सौहार्द तथा सांस्कृतिक चेतना की अनूठी स्मृतियां सहेजे है। यही कारण है कि आज गुप्तजी की यह पावनस्थली देश व प्रदेश में अनमोल विरासत के रूप में देखी जाती है।

आज भले ही भारतेंदु युग के सेनापति कहे जाने वाले हिंदी परिष्कारक गुप्त को यह नश्वर देह त्यागे एक सदी बीत चुकी है, फिर भी गुड़ियानी स्थित हवेलियों, पाठशालाओं, मंदिरों, मस्जिदों, बाजारों, छतरियों, कुओं, खेत-खलिहानों तथा बाग-बगीचों को देखकर लगता है कि वे यहीं कहीं मौजूद हैं। पत्रकारिता, साहित्य तथा सांस्कृतिक चेतना के क्षेत्र में उनकी लेखनी वर्तमान परिवेश में और अधिक प्रासंगिक हो चली है, जिसके चलते गुड़ियानी एक साहित्यिक ग्राम के रूप में लब्धप्रतिष्ठ होकर गुप्त जी के बहुआयामी व्यक्तित्व एवं कृतित्व को अनायास याद दिलाता प्रतीत होता है, जहां उनकी पैतृक हवेली किसी साहित्यिक तीर्थ से काम नहीं है। हरियाणा प्रांत के रेवाड़ी जिले में कोसली उपमंडल तथा नाहड़ विकास खण्ड के गांव गुड़ियानी में सन 1865 में जन्मे बाबूजी की जन्मस्थली को सांस्कृतिक धरोहर कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी,जो अपने आंचल में आज भी उनकी पावन स्मृतियां सहेजे है। बेरों, घोड़ों, हवेलियों तथा वैद्यों के लिए प्राचीनकाल से विख्यात गांव गुड़ियानी नई पीढ़ी के लिए अनमोल विरासत है। यह पहलू गुड़ियानी के बारे में प्रचलित एक प्राचीन कहावत में भी देखने को मिलता है-

चहार चीज अज तोहफा-ए-गुड़ियानी।
बेर, सौदागर, घोड़े, कोठी का पानी।।

कहते हैं कि जहां आजादी प्राप्ति से पूर्व गुड़ियानी में बेरों के सौ बाग थे, वहीं यह पहलू आज भी कम दिलचस्प नहीं है कि इस क्षेत्र में बेरों की बिक्री गुड़ियानी के बेर कहकर की जाती है। यह उल्लेखनीय पहलू भी कम महत्व नहीं रखता कि प्रथम विश्वयुद्ध में अंग्रेजी सेना को लगभग पचास फीसदी घोड़े इस क्षेत्र के पठानों ने मुहैया करवाए थे, जिनका केन्द्र गुड़ियानी था। गुड़ियानी के नामकरण के संदर्भ में अनेक मत प्रचलित हैं, जिनमें दो उल्लेखनीय हैं। पहला यह है कि करीब छह सौ साल पहले गजनी से आकर मसहखां नामक पठान ने यह गांव बसाया था,जिसकी प्रजाति गौरियानी थी। वस्तुतः इसका गाम गौरियानी रखा गया, जो कालचक्की में पिसते-पिसते गुड़ियानी हो गया। एक अन्य प्रचलित मत के मुताबिक इस गांव को गुड़िया नामक राजपूत ने करीब छह सौ साल पहले बसाया था। इसके अलावा सन् 1350 ई. में दिल्ली से आए तोमर गोत्रीय जाट द्वारा बसाए जाने का संदर्भ भी आता है। इनमें से मसहखां प्रकरण ज्यादा प्रामाणिक है क्योंकि मसहखां, मुरशेदखां तथा वयातखां नामक तीन सगे भाइयों द्वारा बसाये गए क्रमशः गुड़ियानी, जखाला व भूरियावास गांव साथ-साथ लगते हैं तथा इन तीन भाइयों की औलाद द्वारा बसाये गए रसूलपुर, शादीपुर, मुंदड़ा, मलेशियावास नामक गांव भी गुड़ियानी क्षेत्र के अंतर्गत ही आते हैं।

गुड़ियानी में जन्मे एक बालक ने अंग्रेजीकाल में साहित्य एवं पत्रकारिता में अपनी कलम से आजादी की अलख जगायी। राष्ट्रीयता, सांस्कृतिक व भाषायी अलख के प्रणेता बाबू बालमुकुंद गुप्त का जन्म एवं आरंभिक पढ़ाई इसी गांव में हुई तथा विषम व विकट प्रस्तुतियों में सियालकोट से होडल तक फैले महापंजाब की पांचवीं कक्षा में अव्वल रहकर गुड़ियानी गांव, गुरुजनों व माता-पिता का नाम रोशन किया। पत्रकारिता एवं साहित्य के क्षेत्र में इसी बालक ने अपनी कलम का लोहा मनवा कर आजादी की अनूठी अलख जगाई तथा पत्रकारिता क्षेत्र में नए मानदण्ड स्थापित किए।

गुड़ियानी क्षेत्र अपने वैद्यों के लिए भी जाना जाता है। प्राचीनकाल का प्रमुख व्यापारिक केन्द्र रहा यह गांव अब कोसली विधानसभा तथा रोहतक लोकसभा क्षेत्र का भाग है। इस गांव को गुप्त की 100वीं पुण्यतिथि के अवसर पर प्रदेश सरकार ने उनके नाम पर आदर्श गांव घोषित कर, उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी थी। फिर गांव के सरकारी स्कूल का नामकरण उनके नाम से किया गया। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर,रेवाड़ी में उनके नाम से पीठ तथा हरियाणा साहित्य अकादमी भवन, पंचकूला में उनकी प्रतिमा स्थापित की गई। उनके नाम से अकादमी पुरस्कार प्रारंभ किए गए, जो आज भी दिए जा रहे हैं। ये सब कार्य पिछले 30 वर्षों में हुए हैं तथा अभी बहुत कुछ होना शेष है।

करीब पांच हजार वोटों वाले इस गांव में 17 वार्ड हैं। बढ़ेरा, तिहाग, कालेवाड़ा, बहादरवाड़ा, नामक पान्नों में बंटा गांव गुड़ियानी मुख्यतः दलित बाहुल गांव है, जिसमें अहीर, कुम्हार, वैश्य, माली, बाल्मीकि, खटीक, मीणा, ब्राह्मणों आदि जातियों के लोग भी काफी संख्या में है। गांव के अलावा ढाणियों में भी बड़ी संख्या में लोग रहते हैं।

अपनी प्राचीन कलात्मक कारीगरी के लिए प्रसिद्ध गुड़ियानी को यदि हवेलियों का गांव कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। गुड़ियानी के हर पान्ने में पांच-सात ऐसी हवेलियां आज भी मौजूद हैं, जिनकी वास्तुकला अनूठी है। भले ही अधिकांश हवेलियां आज खण्डहर हो चुकी हैं, फिर भी उनकी कलात्मकता एवं निर्माणशैली अनायास आकर्षित करती है। इन हवेलियों के बीच दो हवेलियां हिंदी नवजागरण के पुरोधा गुप्त की अनमोल स्मृतियों की मूक साक्षी रही हैं। ये दोनों हवेलियां आसपास हैं, जिनमें से वह हवेली जिसमें गुप्तजी का जन्म हुआ था, आज पूरी तरह जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं, किंतु दूसरी हवेली जिसका निर्माण स्वयं गुप्तजी ने करवाया था, आज भी अपनी विराटता व कलात्मकता के अलावा गुप्तजी की अनमोल यादों को सहेजे हुए है। यह हवेली उनके निधन के बाद कई दशकों तक बंद रही, जिसके चलते इसमें रखी उनकी अमूल्य निधियां धूल, दीमक की भेंट चढ़ गई। कभी लंबे अरसे तक बंदरों व कबूतरों की सैरगाह रही इस हवेली में आदमकद झाड़ियां व घास की भरमार थी, किंतु अब पिछले दो दशक से यह हवेली जीर्णोद्धार के बाद विभिन्न साहित्यिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का केन्द्र बनकर उभरी है। इस दो मंजिला इमारत में आज भी गुप्तजी तथा उनके समकालीन रचनाकारों का साहित्य, भारतमित्र के दुर्लभ अंक, साहित्यिक पत्र तथा संबंधित छायाचित्र आदि रखे हुए थे, जिन्हें उनके वंशजों ने हरियाणा एवं संस्कृति अकादमी को शोध कार्यों के लिए दे दिया। पिछले दिनों प्रदेश सरकार ने इस हवेली को संरक्षित स्मारक घोषित किया है। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा साहित्य अकादमी के राज्यस्तरीय कार्यक्रम में इस हवेली में गुप्त जी का संग्रहालय स्मारक तथा ई-लाइब्रेरी खोलने की घोषणा की थी, जो अभी तक पूरी नहीं हो पाई है। इस स्मारक के संरक्षित होने की सरकारी अधिसूचना के बाद अब इस दिशा में संबंधित लंबित कार्य पूरा होने की नए सिरे से आस जगी है। क्षेत्र का प्रमुख व्यापारिक केन्द्र बन चुका गुड़ियानी साम्प्रदायिक सौहार्द की जीती-जागती मिसाल है। मंदिरों एवं मस्जिदों वाले इस गांव के हिन्दू लोग अगाध श्रद्धा से मुन्नीवाली मस्जिद में जाते हैं। मस्जिद की कलात्मक मीनारें, नक्काशी, तैलचित्र अनायास आकर्षित करते हैं। गांव के कालेवाड़ा व बढ़ेरा नामक मौहल्लों में स्थित दो ठाकुरद्वारे अपनी अनूठी निर्माणशैली व नायाब वास्तुकला के जीते-जागते नमूने हैं। गांव के विभिन्न मंदिरों में शिव मंदिर व श्याम मंदिर के अलावा अनेक प्राचीन छतरियां अपनी छाप छोड़ती हैं। साहित्यिक ग्राम में पठान संस्कृति के अवशेष रूप में अनेक खण्डहर, अस्तबल हवेलियां, ईदगाह आदि मौजूद हैं। गत कुछ दशकों से गुप्त जी को लेकर हो रहे काम से सुर्खियों में रहे गुड़ियानी गांव में स्वास्थ्य सुविधाओं तथा जल निकासी की समस्याएं हैं। गत कई वर्षों से यशस्वी साहित्यकार स्व. बाबू बालमुकुंद गुप्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को चिरस्थायी एवं प्रेरणापुंज बनाने के लिए प्रयासरत संस्था बाबू बालमुकुंद गुप्त पत्रकारिता एवं साहित्य संरक्षण परिषद् (पंजीकृत) के संरक्षक अधिवक्ता नरेश चौहान 'राष्ट्रपूत' का विचार है कि प्रदेश सरकार तथा केन्द्र सरकार राष्ट्रीयता के अग्रदूत गुप्त की जन्मस्थली स्थित उनकी प्राचीन हवेली को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करके ही गुड़ियानी को राष्ट्रीय मानचित्र पर विशेष पहचान दे सकती हैं। गुड़ियानी की निकटवर्ती पहाड़ी भी अपने आंचल में शहीदों की मार्मिक दास्तान सहेजे है।

इस दो मंजिला इमारत में आज तक भी गुप्तजी तथा उनके समकालीन रचनाकारों का साहित्य, भारतमित्र के दुर्लभ अंक, साहित्यिक पत्र तथा संबंधित छायाचित्र आदि रखे हुए थे, जिन्हें उनके वंशजों ने हरियाणा एवं संस्कृति अकादमी को शोध कार्यों के लिए दे दिया।

प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान अंग्रेजों ने आजादी की गुहार करने वाले 114 रणबांकुरों को इसी पहाड़ी पर फांसी दी थी। इतिहास के अनूठे पृष्ठों को अपने आंचल में सहेजे गांव गुड़ियानी ने अनेक उतार चढ़ाव देखे हैं तथा मुगलों व अंग्रेजों के समय में अपनी वीरता एवं देशभक्ति प्रेरक इतिहास रचा है। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में गुड़ियानी के जांबाज योद्धा मोहम्मद आजमखां ने अपने प्राणों की आहूति दी थी। आज वक्त का तकाजा है कि हरियाणा प्रदेश में जहां बाबू बालमुकुंद गुप्त पत्रकारिता विश्वविद्यालय एवं शोध संस्थान आवश्यक ही नहीं अनिवार्य है, वहीं गुड़ियानी स्थित उनकी हवेली को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा दिया जाए। देखना यह है कि राष्ट्रीयता के अग्रदूत गुप्तजी की जन्मस्थली राष्ट्रीय मानचित्र पर कब पहचान बना पाती है?

कविता | **नरेन्द्र कुमार**

ब्याह

चार तरहां के ब्याह हो रै,
ये दुनियादारी है।
किस ब्याह के ढंग बताऊं,
ये मुनिया प्यारी है।।

मां - बाप ढूंडै अच्छा छौरा,
काला हो या भूरा।
अनपढ़ हो या वो पढ़ा-लिखा,
भूखा हो या बहोरा ।।
ऐसी सामाजिक शादी करना,
अच्छी समझदारी है।
चार तरहां के ब्याह हो रै....

नयनों से जिनके नयन मिले,
मिले नहीं जिनकी शक्ल।
वे घर से भाग गए जो कमशल,
उनकी मारी गई अक्ल।।
भगौड़ा ब्याह करने वालों,
मां से गद्दारी है।
चार तरहां के ब्याह हो रै....

पढ़ लिखकर रोजगार लिया,
कोई साथी आन मिला।
तन,मन, धन, कुटुम्ब मिला,
मां - बाप को मान दिला।।
ऐसा प्रेम विवाह करना,
इसमें ना हलवारी है।
चार तरहां के ब्याह हो रै....

मन करता तब तक संग रहते,
मन भरता छोड़ देते।
मन करता तब चूड़ी पहन लेते,
मन करता फोड़ देते।।
मन मर्जी के ब्याह के भी,
भारे व्यापारी हैं।।
चार तरहां के ब्याह हो रै....

रागनी | **मनोज वशिष्ठ**

प्रकृति का न्याय, मानस का लालच

मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।
यो जुल्म कमावै कुदरत पै, क्यूं भूल गया तेरी काया रे।।

ईश का बास है जर्रे-जर्रे में, ऋषि-मुनियां ने समझाया था। त्याग भाव तै भोग करो, वेदों ने ज्ञान सिखाया था।।
तैने कंक्रीट के जंगल चुन लिए, यो के अंधेर कमाया रे।
मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।।

नदियां का पानी जहर कर दिया, हवा में घोल दिया गाद रे।
जेठ की दुपहरी झुलसण लागी, बद्ल्या मौसम का मिजाज रे।।
टीले पिघलें कंचन बरफ के, तैने खुद का काल बुलाया रे।
मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।।

चौपाल की वो ठंडी छाँया, मटके का पानी भूल गया।
सादगी छोड़ के मानस, दिखावे की आंधी में झूल गया।।
सुघड़ कमंडल, नीम की छाँया, सारा वैभव तैने गंवाया रे।
मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।।

'एक पेड़ मां के नाम' लगा ले, इब भी सम्भलण का मौका सै।
प्रकृति के धौरे सब की खातर, लालच की खातर चौका सै।।
'वशिष्ठ' कहे सुण प्रबुद्ध मानस, क्यूं खुद पै कहर ढाया रे।
मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

आमटी तालाब | **पुराने अभिलेखों और लोकश्रुतियों में इसे अमृति तालाब के नाम से भी जाना जाता है**

स्मृतियों में जीवित एक राजकुमारी की अमर गाथा

धरोहर

डॉ. सत्यवान सौरभ

हरियाणा के ऐतिहासिक नगर हांसी की पहचान केवल उसके विशाल किले, प्राचीन स्थापत्य और राजनीतिक इतिहास से नहीं बनती, बल्कि उन लोककथाओं से भी है जो पीढ़ियों से लोगों की स्मृतियों में जीवित हैं। ऐसी ही एक मार्मिक कथा है आमटी तालाब की, जिसे पुराने अभिलेखों और लोकश्रुतियों में अमृति तालाब के नाम से भी जाना जाता है। यह तालाब केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि एक ऐसी राजकुमारी की स्मृति का प्रतीक है जिसने अपने सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए जीवन का बलिदान दे दिया। हांसी का इतिहास अत्यंत प्राचीन माना जाता है। अनेक राजवंशों और शासकों ने यहां शासन किया।

मध्यकाल में यह नगर सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण था। इसी कालखंड से जुड़ी एक लोकगाथा आज भी क्षेत्र के बुजुर्गों की स्मृतियों में जीवित है। लोकविश्वास के अनुसार हांसी पर शासन करने वाले राजा श्रीपाल की पुत्री अमृति अपनी सुंदरता, साहस और आत्मसम्मान के लिए प्रसिद्ध थीं। कहा जाता है कि विदेशी आक्रमणों और राजनीतिक उथल-पुथल के दौर में जब राज्य पर संकट आया तो राजकुमारी अमृति को भी अपमान और बंदी बनने का खतरा उत्पन्न हो गया। उस समय भारतीय समाज में सम्मान और आत्मगौरव को सर्वोच्च मूल्य माना जाता था। लोककथा के अनुसार अमृति ने परिस्थितियों के सामने झुकने के बजाय एक कठिन निर्णय लिया। उन्होंने नगर के निकट स्थित एक विशाल जलाशय में कूदकर अपने प्राण त्याग दिए। यह घटना नगरवासियों के मन पर इतनी गहरी छाप छोड़ गई कि उस जलाशय को राजकुमारी की स्मृति में अमृति तालाब कहा जाने लगा। समय के साथ स्थानीय बोली और उच्चारण में परिवर्तन हुआ और अमृति शब्द धीरे-धीरे "आमटी" में परिवर्तित हो गया। आज भी अनेक लोग इस जलाशय को आमटी तालाब के नाम से जानते हैं। इतिहासकारों का मानना है कि भारत के विभिन्न क्षेत्रों में ऐसी अनेक लोककथाएं प्रचलित रही हैं जिनमें महिलाओं के साहस और आत्मसम्मान को विशेष महत्व दिया गया है। हालांकि इन कथाओं के सभी विवरणों का लिखित प्रमाण उपलब्ध नहीं है, फिर भी लोकस्मृति में उनका स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। आमटी तालाब की कथा भी इसी परंपरा का हिस्सा है। यह केवल एक व्यक्ति की कहानी नहीं, बल्कि उस सामाजिक चेतना का प्रतीक है जिसमें सम्मान और स्वाभिमान को जीवन से भी अधिक मूल्यवान माना जाता था। हांसी का ऐतिहासिक किला इस कथा का मौन साक्षी प्रतीत होता है। लगभग एक हजार वर्ष पुराने इस किले ने अनेक युद्ध, राजनीतिक परिवर्तन और सांस्कृतिक उतार-चढ़ाव देखे हैं। किले की प्राचीरों और उसके आसपास के क्षेत्र में फैली लोककथाएं आज भी इतिहास और कल्पना के अद्भुत संगम का अनुभव कराती हैं। आमटी तालाब की कहानी भी इसी ऐतिहासिक परिवेश में विकसित हुई। लोकसाहित्य के दृष्टिकोण से देखें तो आमटी तालाब की कथा केवल अतीत का वर्णन नहीं करती, बल्कि समाज के मूल्यों को भी अभिव्यक्त करती है। हरियाणा की लोकसंस्कृति में वीरता, त्याग, आत्मसम्मान और सामुदायिक स्मृति का विशेष महत्व रहा है। यही कारण है कि सदियों बीत जाने के बाद भी यह कथा लोगों की जुबान पर बनी हुई है। आज जब आधुनिकता के प्रभाव में अनेक ऐतिहासिक स्थल और लोककथाएं विस्मृति के अंधकार में खोती जा रही हैं, तब आमटी तालाब जैसी स्मृतियां सांस्कृतिक संरक्षण की आवश्यकता का संदेश देती हैं। यदि इन स्थलों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण किया जाए, उनकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर शोध हो और स्थानीय समुदाय की सहभागिता से उन्हें संरक्षित किया जाए, तो आने वाली पीढ़ियां अपनी जड़ों से जुड़ी रह सकेंगी।

पर्यटन की दृष्टि से भी आमटी तालाब और उससे जुड़ी कथा महत्वपूर्ण हो सकती है। हांसी आने वाले पर्यटक केवल किला ही नहीं, बल्कि उस लोकइतिहास को भी जानना चाहते हैं जो इस नगर की आत्मा में बसता है। राजकुमारी अमृति की कथा, हांसी के प्राचीन किले और नगर की ऐतिहासिक विरासत को जोड़कर एक समृद्ध सांस्कृतिक पर्यटन परिपथ विकसित किया जा सकता है। आमटी तालाब की कहानी हमें यह भी सिखाती है कि इतिहास केवल राजाओं और युद्धों का विवरण नहीं होता। इतिहास उन लोगों की स्मृतियों में भी जीवित रहता है, जिन्होंने अपने जीवन से समाज को प्रेरणा दी। राजकुमारी अमृति की लोकगाथा चाहे इतिहास और किंवदंती के बीच कहीं स्थित हो, लेकिन वह हांसी की सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। आज भी जब हांसी की पुरानी गलियों, किले की दीवारों और ऐतिहासिक स्थलों का उल्लेख होता है, तब आमटी तालाब का नाम सम्मान के साथ लिया जाता है। यह तालाब केवल एक जलाशय नहीं, बल्कि स्मृति, साहस और लोकविश्वास का वह दर्पण है जिसमें हांसी का अतीत आज भी प्रतिबिंबित होता दिखाई देता है।

यदि इन स्थलों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण किया जाए, उनकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर शोध हो और स्थानीय समुदाय की सहभागिता से उन्हें संरक्षित किया जाए, तो आने वाली पीढ़ियां अपनी जड़ों से जुड़ी रह सकेंगी।

ग्लैमर नहीं किरदार के पीछे भागो : नैना

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

हरियाणा के शेक्सपियर एवं सूर्यकवि पंडित लखमीचंद के व्यक्तित्व और कृतित्व से कौन परिचित नहीं है। पूरे विश्व में उनकी चर्चाएं होती है उन पर शोध कार्य हो रहे हैं। आज आपको उनकी प्रपौत्र वधू नैना से रूबरू करवा रहे हैं, जो इस गौरवशाली लोक-साहित्यिक विरासत को आगे बढ़ाने वाले परिवार का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। नैना ने दादा लखमीचंद यूनिवर्सिटी से स्नातक किया है और रंगमंच उनकी पहली मोहब्बत है। उन्होंने 'नचार', 'फांस', 'हाथ रुपया' और 'परिणीता' जैसी चर्चित फिल्मों में उल्लेखनीय कार्य किया है, जबकि 'फांस' के लिए उन्हें बेस्ट एक्टिंग अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा 'फांसले', 'छाया', 'मौत', 'निर्णय', 'यादें', 'उधेड़बुन' और 'दरार' जैसी शॉर्ट फिल्मों में भी उन्होंने अपने अभिनय की छाप छोड़ी है। मंच नाटकों, नुक्कड़ नाटकों और हरियाणवी फिल्मों के साथ-साथ उन्होंने सुपवा के प्रोजेक्ट्स से भी महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त किया है। उनके आगामी प्रोजेक्ट्स में एक हरियाणवी फीचर फिल्म और पंडित लखमीचंद की विरासत पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री शामिल है।

नैना बताती हैं कि दादा लखमीचंद के प्रपौत्र चेतन कौशिक से विवाह के बाद जब वह इस परिवार की बहू बनी तो लगा जैसे माटी की खुशबू से रिश्ता जुड़ गया। स्वयं उनके शब्दों में -'ये परिवार सिर्फ घर नहीं, हरियाणा की लोक संस्कृति का जीता-जागता स्कूल है। दादा लखमीचंद का नाम हर सांस में बसता है यहां। ऐसे परिवार का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य से बढ़कर गौरव की बात है। आधुनिकता और तकनीक के बढ़ते प्रभाव के कारण क्या सांग जैसी समृद्ध लोक परंपराएँ धीरे-धीरे हाशिए पर जा रही हैं? क्या वर्तमान पीढ़ी इन्हें अपेक्षित महत्व नहीं दे रही? जैसे महत्वपूर्ण प्रश्न पर नैना बताती हैं कि तकनीक दुश्मन नहीं, सवारी है। हां, भीड़ रील्स की तरफ भाग रही है, पर असली बात में आज भी दम है। हम सांग को हाशिए पर नहीं जाने देंगे। बस उसे मोबाइल के साइज में ढालना है। युवा जुड़ेगा, गारंटी है। हरियाणा के अनेक लोक कलाकारों के परिजन आज अपनी सांस्कृतिक विरासत को बचाने के लिए संघर्षरत हैं। साथ ही वे सरकारी सहयोग और अनुदान के अभाव में उपेक्षित भी महसूस करते हैं। नैना को इन लोक कलाकारों के संघर्ष पर दर्द होता है, जब देखते हैं कि जो संस्कृति बचाते हैं, वो खुद मुश्किल में हैं। सरकारी सहयोग मिलना चाहिए, पर उससे पहले युवा समाज को जागना होगा। बुजुर्गों ने तो बहुत साथ दिया, अब बारी हमारी है। जब तक हम अपनी लोक कलाओं को सम्मान नहीं देंगे, तब तक कलाकार का हौसला भी टूटेगा और संस्कृति भी। हमें मिलकर इस विरासत को बचाना है। नैना के अनुसार सांग की परंपरा में पुरुष कलाकारों द्वारा महिला पात्रों की भूमिका निभाने की विशेष परंपरा रही है। ये परंपरा मजबूरी नहीं, कला थी। उस दौर के हिसाब से ठीक थी। आज महिलाएं खुद मंच पर आ रही हैं, ये सबसे बड़ा बदलाव है। परंपरा की इज्जत करते हुए नए दौर को भी गले लगाना चाहिए। दोनों साथ चल सकते हैं। लोकनाट्य और सांग को आज के दर्शकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए भाषा को सरल बनाना और क्लिष्ट शब्दों को हटाना जरूरी है। साथ ही, लगभग डेढ़ घंटे के पावर-पैक सांग तैयार किए जाएं, ताकि दर्शकों की रुचि बनी रहे। उनका मानना है कि सांग को कॉलेज फेस्ट और कॉर्पोरेट कार्यक्रमों तक ले जाना चाहिए। इससे सांग पर लगा 'ओल्ड' का टैग हटेगा और वह 'गोल्ड' के रूप में स्थापित होगा। नैना के लिए रंगमंच उनकी रूह है। साथ में स्क्रिप्ट लेखन, डायरेक्शन में भी वह हाथ आजमा रही हैं । कैमरे के सामने अभिनय का अपना मजा है। कोशिश यही है कि हर कहानी में हरियाणा की माटी बोलती दिखे। व्यक्तिगत तौर पर एक फिल्म डायरेक्ट करना चाहती हैं जो पूरी दुनिया को हरियाणवी कल्चर दिखाए। दादा लखमी की विरासत के लिए एक डिजिटल आर्काइव भी बनाने पर विचार है, जहां उनकी सारी रचनाएं, ऑडियो, वीडियो एक क्लिक पर मिलें। नैना अभिनय के साथ फिल्म मेकिंग से भी जुड़ी रही हैं और डायरेक्टर-प्रोड्यूसर रही हैं। उनका मानना है कि हरियाणा में फिल्म निर्माण के क्षेत्र में महिलाएं कम हैं। रास्ता मुश्किल था, 'लुगाई के बस की बात ना' खूब सुना। पर जब कैमरा ऑन होता है तो जेंडर नहीं, विज़न चलता है। हरियाणा की महिलाएं अब डायरेक्शन, प्रोडक्शन में आ रही हैं। हरियाणवी सिनेमा और उसके कलाकारों ने गत वर्ष से बहुत तरक्की की है। बहुत से लोग बॉलीवुड में भी अपना परचम लहरा रहे हैं। वह हरियाणवी सिनेमा का भविष्य सुनहरा मानती हैं । अब हमारे हरियाणा में भी एक सिनेमा की शुरुआत हो चुकी है।, नैना सुपवा के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए बताती हैं कि सुपवा मतलब अनुशासन और आज़ादी का संगम। वहां सीखा कि कला में रियाज़ और रिसर्च दोनों जरूरी हैं। सुपवा ने मुझे कलाकार से कर्मयोगी बनाया। रंगमंच और कैमरे के सामने अभिनय करने में नैना का मानना है कि रंगमंच वन टेक मैच है - तालियां तुरंत, गलती की माफी नहीं।

कैमरा टेस्ट सीरीज है - रीटेक है, पर इमोशन एक बार में पकड़ना है। मंच दिल देता है, कैमरा बारीकी सिखाता है। दोनों जरूरी हैं। नए कलाकारों के लिए उनका संदेश है कि ग्लैमर के पीछे मत भागो, किरदार के पीछे भागो। रियाज़ छोड़ोगे तो बाजार छोड़ देगा। हरियाणवी में सोचो, हरियाणवी में जियो, फिर देखना दुनिया तुम्हारी बोली बोलेगी और हां, दादा लखमीचंद की बातों का अनुसरण करो ,रास्ता खुद मिल जाएगा।

हरियाणा में फिल्म निर्माण के क्षेत्र में महिलाएं कम हैं। रास्ता मुश्किल था, 'लुगाई के बस की बात ना' खूब सुना। पर जब कैमरा ऑन होता है तो जेंडर नहीं, विज़न चलता है। हरियाणा की महिलाएं अब फिल्म डायरेक्शन, प्रोडक्शन में आ रही हैं। हरियाणवी सिनेमा और उसके कलाकारों ने गत वर्ष से बहुत तरक्की की है। बहुत से लोग बॉलीवुड में भी अपना परचम लहरा रहे हैं।

खबर संक्षेप

भिवानी। बेटी के जन्म पर कुंआ पूजन करते हुए।

रामपुरा बलियाली में बेटी पैदा होने पर मनाई खुशी

भिवानी। रामपुरा बलियाली में बेटी के जन्म पर कुंआ पुजन कर खुशियां मनाई गई। रामपुरा निवासी जगदीश के पुत्र विकास के घर में कन्या वंशिका के जन्म लेने पर कुंआ पुजन समारोह का आयोजन किया गया। महिलाओं ने मंगल गीत गाए। समारोह में गाँव के गणमान्य व्यक्तियों कन्या को आशीर्वाद दिया। वंशिका के दादा जगदीश, पिता विकास व माता कृष्णा ने कहा कि लड़कियां लड़कों से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं है लड़कियां शिक्षा खेल राजनीति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

कांग्रेस जनता को भ्रमित कर रही : कृष्ण बेदी

भिवानी । प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर विपक्षी दलों के नेता भाजपा की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। उक्त शब्द सामाजिक एवं न्याय अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी विश्राम गृह में कार्यकर्ताओं से रूबरू होते हुए कहे। भिवानी पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका भव्य स्वागत किया । सामाजिक एवं न्याय अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि एस आई आर के मुद्दे को लेकर कांग्रेस जनता को भ्रमित कर रही है।

शुद्ध और सही साहित्य ही संस्कार का आधार

भिवानी। महाराणा भामाशाह सोनी सीनियर सिटीजन चेरिटेबल ट्रस्ट में अखिल भारतीय साहित्य परिषद भिवानी द्वारा आयोजित मासिक काव्य गोष्ठी एवं पुस्तक विमोचन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सम्मान ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट राष्ट्रीय संगठन मंत्री नेत्रपाल तंवर भिवानी रहे। तंवर ने कहा कि साहित्य ही संस्कारों का आधार है। समाज और राष्ट्र के निर्माण में साहित्य की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वर्तमान समय में देश को शुद्ध, सकारात्मक एवं मूल्यपरक साहित्य की अत्यंत आवश्यकता है।

तोशाम के प्राचीन श्री श्याम मंदिर के स्थापना दिवस पर भंडारा व जागरण

बाबा की कृपा जिसपे हो जाए, मौज उड़ाए मौज उड़ाए...

खाटूश्याम की भक्ति रसधार में गोता लगाते हुए जमकर झूमे श्यामभक्त

मेरा हाथ पकड़ ले रे बाबा मन मेरा घबराए...

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तोशाम

बाबा मुंगीपा पहाड़ी पर स्थित प्राचीन श्री श्याम मंदिर के स्थापना दिवस के उपलक्ष में श्याम परिवार द्वारा जागरण तथा भंडारा आयोजित किया गया। जिसमें श्याम प्रेमी देर रात्रि तक बाबा खाटू श्याम के भजनों की भक्ति रूपी रसधार में डुबकी लगाते रहे। इस दौरान आयोजित भंडारे में अनेक श्रद्धालुओं ने बाबा खाटू श्याम का प्रसाद ग्रहण किया। इससे पहले मंदिर पुजारी ज्योतिष आचार्य कुंज बिहारी शास्त्री ने वेद मंत्र उच्चारण के बीच प्रसिद्ध समाजसेवी वेदप्रकाश महता परिवार के कर कमलों से जलती रहे खाटू वाले ज्योति तेरी जलती रहे...भजन की मधुर धुन के साथ बाबा खाटू श्याम की ज्योति प्रज्वलित करवा जागरण का शुभारंभ किया।

तत्पश्चात मंच संचालन कर रहे भजन गायक कलाकार भूषण सरदाना ने मेरे लाडले गणेश प्यारे प्यारे... वंदना के साथ गणपति भगवान को स्मरण करते हुए जागरण में भजनों रूपी भक्ति रसधार प्रारंभ की। इस बीच विकास डीडवानिया ने जाया कर जाया कर मुंगीपा पर जाया कर... भजन की प्रस्तुति देकर बाबा मुंगीपा के चरणों में हाजिरी लगाई। तत्पश्चात मोहित गोयल ने पवनसुत अंजनी के लाला...भजन की प्रस्तुति देकर हनुमान जी को रिझाया। विशाल गर्ग ने पकड़ लो हाथ बनवारी नहीं तो डूब जाएंगे...भजन की प्रस्तुति के साथ भगवान श्री कृष्ण से टेर लगाई। इस दौरान सरल से पहुंचे जगदीश राठी ने जब से देखा तुझे जाने क्या हो गया ए खाटू वाले श्याम मैं तेरा हो गया... भजन के माध्यम से बाबा खाटू श्याम का मधुर गुणगान किया तो सरल निवासी प्रदीप शर्मा ने बाबा की कृपा जिसपे हो जाए मौज उड़ाए मौज उड़ाए...भजन गाकर बाबा खाटू श्याम की महिमा का बखान किया। इसके बाद भजन गायक जतिन जिंदल ने सब झूमो नाचो वह आने वाला है पगड़ी बांध रहा है नीले चढ़ने वाला है... भजन की प्रस्तुति देकर उपस्थित श्याम प्रेमियों को झूमने पर मजबूर कर दिया। तत्पश्चात हिसार से पहुंची बाबा खाटू श्याम के भजनों की प्रवाहक बाबा की परी नाम से प्रसिद्ध गायिका ने अर्धरात्रि के दौरान जैसे ही मायक थामा तो अपनी मधुर वाणी से बाबा खाटू श्याम के भजन खाटू वाला श्याम मेरे घर आया..., मेरा हाथ पकड़ ले रे बाबा मन मेरा घबराए..., औ देखो बो देखो श्याम बाबा लीले चढ़ आया है...आदि भजनों की प्रस्तुति देकर समां बांध दिया और उपस्थित श्यामभक्त अर्धरात्रि के पश्चात भी बाबा खाटू श्याम की भक्ति में लीन होकर बाबा के भजनों पर मदमस्त नजर आए। जिससे बाबा खाटू श्याम के पूरे जागरण के दौरान भक्ति रसधार रूपी छटा बिखरती नजर आई।

तोशाम। आयोजित जागरण में अपनी प्रस्तुती देते हुए। फोटो : हरिभूमि

56 भोग आकर्षण का केंद्र रहे

इस दौरान मंदिर संचालक राजेंद्र प्रसाद जिंदल भेरा वाले तथा धर्मवीर नेहरा सहित आयोजक कमेटी ने आए हुए सभी श्यामभक्तों का बाबा खाटू श्याम का दुपट्टा ओड़ाकर भव्य स्वागत किया। जागरण के दौरान बाबा खाटू श्याम का मनमोहक भव्य श्रृंगार, 56 भोग तथा इत्र वर्ष विशेष आकर्षण का केंद्र रहे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर बाबा मुंगीपा धाम के महंत नन्हाराम पुजारी, सरपंच राजेश तंवर, ज्योतिषाचार्य कुंज बिहारी शास्त्री, दिनेश शर्मा मीरान वाले, प्रवीण उर्फ कालू मोंगिया, प्रद्युमन शर्मा, सुनील सुरा, मास्टर अश्वनी महता, पवन बंसल, विपिन गोयल, मुकुल, सीए ललित गर्ग, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि विनोद गोयल, नवीन महता, प्रवीण अरोड़ा, संजय ठकराल, प्रदीप गोयल कलाली वाले, आशीष जिंदल, पंकज डेमला, जगबीर पंघाल, प्रवीण महता, कपिल डेमला, शैंकी पोपली, संदीप शर्मा, नरेश महता, दीपक जिंदल, भगत सिंह संडवा, दीपक कालड़ा, नरेश मुटरेजा, रमेश नागपाल, ओमप्रकाश संडवा वाले, रमन, पंच आशीष गजवानी, श्याम मित्तल आदि सहित अनेक श्यामभक्त तथा बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद थी।

मानव सेवा सबसे बड़ा धर्म, घट-घट में परमात्मा का वासः स्वामी फकीरानंद

भिवानी। सत्संग में भाग लेते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

- विधायक कार्यालय में ज्ञानगंगा का प्रवाह, सत्संग एवं दुःख निवारण समागम जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

विधायक घनश्यामदास सर्राफ के कार्यालय परिसर में जारी भव्य सत्संग एवं दुःख निवारण समागम का रविवार को श्रद्धा एवं उल्लास के साथ जारी रहा। पंजाब के पठानकोट स्थित प्रसिद्ध रामदेव आश्रम से पहुंचे स्वामी फकीरानंद महाराज के सान्निध्य में समागम में भिवानी और आस-पास के क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं का भारी जनसैलाब उमड़ा। इस अवसर पर विधायक घनश्याम सर्राफ भी विशेष रूप से उपस्थित रहे और स्वामीजी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस समागम में अनेक श्रद्धालु भारी तादात में पहुंचकर ज्ञानगंगा का रसपान कर रहे है।

स्वामी फकीरानंद महाराज ने कहा कि मनुष्य का जीवन केवल भौतिक सुख-सुविधाएं जुटाने के लिए नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और परमार्थ के लिए हुआ है। आज का इंसान दुःखों और चिंताओं से घिरा है, क्योंकि वह आत्मिक ज्ञान से दूर हो चुका है। दुःखों का वास्तविक निवारण केवल ईश्वर की भक्ति, सिमरन और सत्संग के माध्यम से ही संभव है, जब मनुष्य अहंकार को त्याग कर गुरू की शरण में आता है तो उसके जीवन के सभी कष्ट स्वतः ही समाप्त होने लगते हैं। उन्होंने कहा कि परमात्मा किसी विशेष स्थान पर नहीं, बल्कि संसार के कण-कण और हर जीव के हृदय में वास करता है। इसलिए भूखे को भोजन करवाना, असहाय की मदद करना और जीव मात्र पर दया करना ही सच्ची ईश्वर पूजा है। इस अवसर पर प्रेमलता सर्राफ, अमन सर्राफ, महेंद्र लोहिया, सोनू गोयल, सत्यनारायण गुज्जर, सुखविंद्र दुहन, डॉ. सुनीता दुहन, आनंद तंवर, ललित चौहान, कृष्ण सोनी, सुनील मोनिया, सुनील जांगड़ा, उमेश, रिंकू ख्यालीराम, पीयूष, आदि मौजूद रहे।

भिवानी। आयोजित बैठक में उपस्थित महिलाए व पुरुष। फोटो : हरिभूमि

धानक समाज अपने स्तर मनाएगा संत कबीर जयंतीः हंसराज खनगवाल

भिवानी। 29 जून को मनाए जाने वाली संत कबीर की 629वीं जयंती को धुमधाम से मनाने के लिए हनुमान गेट स्थित धानक पंचायत धर्मशाला में एक बैठक का आयोजन पूर्व पार्षद हंसराज खनगवाल की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए हंसराज खनगवाल ने बताया कि संत कबीर जयंती प्रदेश सरकार द्वारा भिवानी में राज्य स्तर पर मनाई जानी थी लेकिन अपरिहारीय कारणों से यह कार्यक्रम स्थागित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि बैठक में धानक समाज ने संत कबीर जयंती को अपने स्तर पर हनुमान गेट स्थित धानक पंचायत धर्मशाला में धुमधाम से मनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि जयंती समारोह को सफल मनाने के लिए उपस्थितजनों को जिम्मेवारियां भी सौंपी गई। इस अवसर पर राजो देवी, सरोज देवी, माया देवी, बिमला, सोनिया, निर्मला, मुन्नी, नीलम, बबीता, शीला, आशा, लता, रोशनी, सीमा रानी, सुंदर देवी, सुनीता, भतेरी, शीला देवी, बेबी, दर्शना, गीता, सोनम, शबनम, कविता, विद्या देवी, सुमन, प्रियंका, धर्मबीर सिंह नागर, अश्वनी कुमार, पवन कुमार, रोकी, संदीप फरंड, बिजेन्द्र, किरोड़ी खनगवाल, संतु, प्रतीक कुमार, जयभगवान, सोनू, प्रकाश बागड़ी आदि मौजूद रहे।

डीसी ने दुकानदारों को दी चेतावनी, सड़कों पर कूड़ा फेंकने वालों पर होगी कार्रवाई

- कूड़े को अलग-अलग करके कूड़ा उठाने वाली गाड़ी में ही डालें: डीसी मनदीप कौर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

सड़कों पर कूड़ा फेंकने वालों पर अब कार्रवाई होगी, कूड़े को अलग अलग करके कूड़ा उठाने वाली गाड़ी में ही डाला जाए, उक्त बात उपायुक्त मनदीप कौर ने दुकानदारों को चेतावनी देते हुए कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी दुकानदार या मकान मालिक सड़क पर कूड़ा फेंकता मिला, उसके खिलाफ प्रशासन की ओर से कड़ी कार्रवाई होगी। साथ ही उस पर जुर्माना भी लगाया जाएगा।

रविवार को जब उपायुक्त अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम से वापस आ रही थी, तो सुबह-सुबह उन्होंने बाजार की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान दुकानों के सामने कूड़ा और गंदगी के ढेर मिले, जिसमें काफी मात्रा में प्लास्टिक एवं पॉलिथीन भी थे। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए मौजूद दुकानदारों को कूड़ा केवल कूड़ा उठाने वाली गाड़ी में ही डालने के निर्देश दिए और साथ ही कहा कि शहर की कूड़ा और गंदगी की स्थिति को दुरूस्त करने के लिए दुकानदारों व नागरिकों के सहयोग की बहुत जरूरत है, अगर दुकानदार और नागरिक जागरुक नहीं होंगे तो दादरी को स्वच्छ बनाना बहुत मुश्किल है। सड़कों पर फेंके जाने वाले कूड़े और पॉलिथीन आदि के कारण न केवल नाले जाम होते हैं, बल्कि इससे सीवर भी रुक जाते हैं और फिर गंदगी व जलभराव का सामना सभी लोगों को करना पड़ता है। यह कूड़ा व पॉलिथीन क्षेत्रवासियों से ही निकलता है, दूसरे जगह से कोई कूड़ा डालने नहीं आता, ऐसे में सबको समझदारी के साथ कूड़ा अलग-अलग करके कूड़ा उठाने वाली गाड़ी में ही डालना होगा।

भिवानी। दुकानदार को चेतावनी देती उपायुक्त मनदीप कौर। फोटो : हरिभूमि

भिवानी। त्रिवेणी रोपित करते सीनियर डिवीजन सिविल जज जोगिंद्र सिंह व अन्य।

सारती देवी की स्मृति में सीनियर डिवीजन सिविल जज ने रोपी त्रिवेणी

भिवानी। रिश्तों की डोर और सामाजिक सरोकारों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़कर समाज को नई दिशा देने का बेहद सराहनीय उदाहरण रविवार को गांव झुम्पाकलां में देखने को मिला। अपने पीएसओ पर्यावरण प्रहरी हवलदार लोकराम नेहरा की दादी सारती देवी को श्रद्धांजलि देने सीनियर डिवीजन सिविल जज जोगिंद्र सिंह विशेष रूप से पहुंचे। उन्होंने गोगा मंदिर के सामने स्थित ग्रीन जोन में त्रिवेणी का रोपण कर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस पुनीत कार्य में पर्यावरणविद् त्रिवेणी बाबा सहित इलाके के कई गणमान्य लोग भी शामिल हुए। सिविल जज जोगिंद्र सिंह ने कहा कि दिवंगत सारती देवी जैसी मातृशक्ति को याद रखने और उन्हें सम्मान देने का इससे सुंदर तरीका कोई और नहीं हो सकता। यह त्रिवेणी सिर्फ एक पौधा नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए शुद्ध हवा, छाया और जीवन का संदेश है। नीम, पीपल व बरगद का संगम चौबीसों घंटे ऑक्सीजन देता है और पक्षियों को आश्रय प्रदान करता है। इस अवसर पर सेवानिवृत्त अधीक्षक दर्शनानंद नेहरा, प्रवक्ता प्रवीण, प्रदीप, करण नेहरा, रामसिंह नेहरा, ताराचंद नेहरा व पवन नेहरा आदि मौजूद रहे।

पक्षी संरक्षण और विद्यालय परिसर की स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

भिवानी। विद्यालय परिसर की साफ सफाई करते जिला इको क्लब्स कॉर्डिनेटर कमल शर्मा, शिक्षक व विद्यार्थी।

भिवानी। गांव मानहेरू के बीडी गुप्त राजकीय वमा विद्यालय में यूथ एंड इको क्लब्स फॉर मिशन लाइफ के अंतर्गत आयोजित सात दिवसीय ग्रीन समर कैंप के दौरान विद्यार्थियों को जैव विविधता, पक्षी संरक्षण एवं विद्यालय परिसर की स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया। कैंप के दौरान विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बनाकर पेड़ों के संरक्षण का संकल्प लिया तथा विद्यालय परिसर में श्रमदान कर स्वच्छता अभियान चलाया। इस अवसर पर जिला इको क्लब्स कॉर्डिनेटर कमल शर्मा ने विद्यार्थियों एवं विद्यालय स्टाफ के साथ मिलकर श्रमदान किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति के साथ जुड़कर ही हम पर्यावरण संरक्षण के वास्तविक उद्देश्य को प्राप्त कर सकते हैं। प्रत्येक व्यक्ति को प्रकृति को सच्चा साथी मानते हुए उसके संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। प्राचार्य विवेक अदलखा के मार्गदर्शन में आयोजित ग्रीन समर कैंप में प्रतिदिन विभिन्न पर्यावरणीय गतिविधियों के लिए अध्यापकों की ड्यूटी निर्धारित की गई है।

मम्मा का आध्यात्म ज्ञान विश्व में फैला रहा प्रकाशः बीके सुमित्रा

भिवानी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरिय विश्वविद्यालय की प्रथम प्रशासिका मम्मा ओउम राधे ने आध्यात्म ज्ञान की ज्योति जलाई, जो आज पूरे विश्व में अमर ज्योति बनकर प्रकाश फैला रही है, ये बात प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज की शाखा सिद्धिधाम में मम्मा दिवस पर कार्यक्रम में उपस्थित ब्रह्मावत्सों को संबोधित करते हुए राजयोगिनी बीके कीर्ति बहन भी उपस्थित रही। बीके सुमित्रा बहन ने बताया कि मम्मा ओम राधे ब्रह्माकुमारीज की पहली मुख्य दीक्षांत और सह-संस्थापक थी, जिनका असली नाम राधे पोकरदास राजवानी था और इन्हें मातोश्वरी जगदम्बा सरस्वती और ओम राधे के रूप में जाना जाता है। आध्यात्म जगत में इन्हें नारी शक्ति और ज्ञान की देवी माना जाता है। मम्मा का जन्म 1919 में अमृतसर पंजाब में हुआ था, इनकी आध्यात्मिक यात्रा मात्र 17 वर्ष की आयु में ओम मंडली ब्रह्माकुमारीज के संपर्क में आए और अपना संपूर्ण जीवन ईश्वरीय सेवा में समर्पित कर दिया।

संत कबीर साहेब जयंती समारोह रद्द होने से डीएससी समाज भड़का

भिवानी। हरियाणा की राजनीति में संत शिरोमणि कबीर दास की जयंती समारोह और धानक समाज की अनदेखी को लेकर समाज में रोष व्याप्त हैं। 29 जून को भिवानी में होने वाले राज्य स्तरीय कबीर जयंती समारोह को रद्द किए जाने पर धानक व डीएससी समाज की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सहमति के बाद इस बड़े आयोजन से पैर पीछे खींचने को लेकर समाज में भारी रोष है, जिसे लोग अपने आत्मसम्मान पर गहरा आघात मान रहे हैं। इस संवेदनशील और गंभीर मुद्दे पर वरिष्ठ भाजपा नेता और रिटायर्ड सहायक जिला न्यायवादी एडवोकेट सज्जन खनगवाल ने अपनी ही सरकार की नीतियों के खिलाफ तीखा रोष प्रकट कर अपनी बात खुलकर रखी है। वरिष्ठ भाजपा नेता एडवोकेट सज्जन खनगवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री की कथित सहमति के बाद भिवानी के इतने बड़े कबीर जयंती कार्यक्रम को टालना या रद्द करना सरकार की मंशा पर बड़े सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि सरकार के फैसले से समाज का हर व्यक्ति अपमानित महसूस कर रहा है। खनगवाल ने स्पष्ट किया कि समाज की नाराजगी के पीछे केवल कबीर जयंती समारोह का रद्द होना एकमात्र कारण नहीं है, बल्कि बड़े नीतिगत मुद्दे भी जुड़े हैं, जिसमें वंचित अनुसूचित जाति (डीएससी) आरक्षण को लेकर विधानसभा में अब तक कानून या स्पष्ट प्रस्ताव पास न करना समाज के युवाओं और नेतृत्वकर्ताओं के बीच बड़ा मुद्दा बना हुआ है।

- भाजपा नेता खनगवाल ने चेताया, आगामी चुनाव में भाजपा से किनारा करेगा डीएससी समाज

नशामुक्ति संदेश यात्रा गांव-गांव पहुंचकर कर रही जनजागरण

भिवानी। ग्रामीणों को संबोधित करते वक्ता

चरखी दादरी। जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में चल रही नशामुक्ति संदेश यात्रा रविवार को बलकरा, छिल्लर, मंढोला, मंढोली, घसोला व कलियाणा गांव पहुंची। यात्रा के दौरान ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया व युवाओं से नशे से दूर रहकर समाज निर्माण में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के आयोजक एवं जिला सचिव दलीप सिंह सांगवान ने कहा कि नशा आज समाज एवं देश के सामने गंभीर चुनौती बन चुका है। नशे की बढ़ती प्रवृत्ति युवाओं के भविष्य को अंधकारमय बना रही है तथा परिवारों और सामाजिक ताने-बाने को कमजोर कर रही है। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ व्यापक जनजागरण अभियान चलाना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि नशामुक्ति संदेश यात्रा का उद्देश्य गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करना तथा युवाओं को नशे की बुराइयों से अवगत कराना है। यात्रा में बलजीत, बलवान सिंह, आशीष, रामकुमार, राजसिंह, जीतसिंह, संजय, बिजेंद्र, रामबीर, मुकेश, सुरेंद्र, संदीप, विक्की, राजेश, खुशीराम, उमेद सिंह, वीरेंद्र, सजन सिंह, भीमसिंह, करतार सिंह, नथु, राकेश आदि उपस्थिति रहे।

कार्यक्रम कृषिमंत्री ने एक पेड़ मां के नाम किया पौधरोपण, नशामुक्ति की दिलवाई शपथ

स्काउट्स को नशे से दूर रहने की शपथ दिलवाई

- विकसित युवा से ही संभव है विकसित भारत : कृषिमंत्री श्याम सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

दा हरियाणा राज्य भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुप के जिला मुख्यालय एवं प्रशिक्षण केंद्र में चल रहे ग्रीष्मकालीन सर्विस कैंप के 21वें दिन रविवार को कार्यक्रम हुआ, जिसमें कृषि एवं पशुपालन मंत्री श्यामसिंह राणा ने बतौर मुख्यतिथि शिरकत की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष विरेंद्र कौशिक उपस्थित रहे। कैंप हरियाणा राज्य भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के राज्य मुख्यालय चंडीगढ़ के आदेशानुसार तथा भिवानी के उपायुक्त साहिल गुप्ता,डीईओ डॉ. निर्मल दहिया एवं बीईओ डॉ. अनिल गौड़ के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है जिसका विधिवत समापन 28 जून को होगा।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यतिथि कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने ध्वजारोहण, राष्ट्रगान और स्काउट्स प्रार्थना के साथ की। उन्होंने स्काउट्स के जन्मदाता लॉर्ड बैडिन पावेल एवं महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कैंप में सीनियर रोवर नितेश कुमार के नेतृत्व में मुख्यतिथि को गार्ड ऑफ ऑनर और परेड मास्टर हिमांशु भाटी ने गन सलामी दी। वहीं बैंड मास्टर विजय अहीरवाल ने बैंड की मधुर धुनों के साथ अतिथियों का स्वागत किया।

भिवानी। स्काउट्स को सम्मानित करते कृषिमंत्री श्यामसिंह राणा।

मुख्यातिथि को पुस्तकालय का निरीक्षण करवाया

कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्रुप लीडर सागर सज्जन सिंह एवं ग्रुप कोऑर्डिनेटर राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री अवार्डी मास्टर लक्ष्मण गौड़ ने की। इस दौरान सह ग्रुप लीडर अमित कुमार ने मुख्यतिथि को प्रशिक्षण केंद्र में स्थापित आधुनिक ई-पुस्तकालय का निरीक्षण करवाया। वहीं गाइड रेंजर कैप्टन पुष्पा देवी ने स्काउट्स द्वारा तैयार किए विभिन्न उपयोगी गैजेट्स के बारे में विस्तार से जानकारी दी, जिसकी कृषिमंत्री राणा ने खूब सराहना की। इस अवसर पर कृषिमंत्री राणा ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत प्रशिक्षण केंद्र परिसर में पौधा लगाया और युवाओं को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने उपस्थित सभी युवाओं और स्काउट्स को नशे से दूर रहने एवं स्वच्छता को अपनाने की शपथ दिलवाई।

सम्मेलन में गूंजा अनुसूचित जाति और वंचितों के हक का मुद्दा

- केवल कांग्रेस ही कर सकती है संविधान एवं वंचितों के अधिकारों की रक्षा : नरवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

सांस्कृतिक सदन में रविवार को जिला कांग्रेस कमेटी के एससी विभाग द्वारा जिला कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन की शुरुआत बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके की।

इस दौरान मंच से केंद्र और राज्य की मौजूदा सरकार की नीतियों पर जमकर निशाना साधा और आगामी चुनावों के लिए कार्यकर्ताओं में जोश भरा। इस मौके पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल ने कहा कि आज देश और प्रदेश में जो माहौल है, उसमें अनुसूचित जाति, पिछड़ों और शोषितों के अधिकारों पर लगातार कुठाराघात हो रहा है। कांग्रेस पार्टी हमेशा से दबे-कुचले समाज की आवाज रही है और हम सड़क से संसद तक लड़ाई को मजबूती से लड़ेंगे। इस मौके पर हरियाणा एससी विभाग उपाध्यक्ष अजय वैद, दिलबाग तोशाम ब्लॉक अध्यक्ष आदि मौजूद रहे।

भिवानी। जिला कांग्रेस कमेटी के एससी विभाग के जिला कार्यकर्ता सम्मेलन में मंचासीन कांग्रेस नेता। फोटो : हरिभूमि

भीम स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में कृषि मंत्री ने की मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत

योग को अपनाते हुए प्रकृति के साथ जुड़े : श्याम सिंह राणा

डीसी साहिल गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष विरेंद्र कौशिक के अलावा हजारों की संख्या में युवाओं व गणमान्य नागरिकों, अधिकारियों, कर्मियों, खिलाड़ियों विद्यार्थियों ने किया योगाभ्यास

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। भीम स्टेडियम में दीप प्रज्ज्वलित करके योग दिवस के कार्यक्रम का शुभारंभ करवाते हुए, स्टेडियम में योगा करते कृषिमंत्री श्याम सिंह राणा भीम स्टेडियम में योग करते हुए। फोटो : हरिभूमि

योग दिवस कार्यक्रम में दिया गया एसआईआर में सहयोग देने का संदेश

योग दिवस कार्यक्रम के दौरान डीसी साहिल गुप्ता की तरफ से आमजन से एसआईआर अभियान में बीएलओ का सहयोग करने का आह्वान किया गया। नागरिकों से अपील करते हुए कहा गया कि वे लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता सूची के शुद्धिकरण में सहयोग करें और बीएलओ को जरूरी जानकारी मुहैया करवाएं। जिला स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम में योग सहायक गजानंद शास्त्री, कविता अहलावत और मदन सिंह ने योगासन व प्राणायाम करवाए।

दिवस कार्यक्रम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश का सीधा प्रसारण दिखाया गया।

भीम स्टेडियम में अपना संदेश देते हुए कृषि मंत्री राणा ने कहा कि योग-प्राणायाम न केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम है, बल्कि यह प्रकृति के साथ जुड़कर और एक-दूसरे के साथ सद्भाव से रह कर समाज में समृद्धि लाने का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि योग समाज, देश व दुनिया में शांति का प्रतीक है। कृषि मंत्री राणा ने कहा कि देश व समाज की तरक्की व खुशहाली के लिए हमें योग को अपनाकर एक-दूसरे को साथ लेकर चलना है।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में एडीसी दीपक बाबू लाल करवा, एसडीएम महेश कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष विरेंद्र कौशिक, डीएसपी अनूप कुमार, भाजपा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष ठा. विक्रम सिंह, हरियाणा योग आयोग के सदस्य डॉ. मदन मानव, जिला आयुष अधिकारी डॉ. रश्मि शर्मा और जिला योग कॉर्डिनेटर डॉ. संजय वैद मौजूद रहे।

सम्मानित किया

पिछले दिनों सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता में बढ़चढ़ हिस्सा लेने वालों योग सहायकों व योग मैराथन में अव्वल रहने वालों को कृषि मंत्री राणा और डीसी गुप्ता ने प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। 15 जून को आयोजित योग मैराथन में अव्वल रहने वाले युवाओं में लोकेश कुमार, अभिषेक गुज्जर, रोबिन सिंह, अंकित यादव व ईशांत, किताब सिंह, योगेश तथा 55 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में डीडीपीओ कार्यालय से सहायक कर्मबीर सिंह को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में आयुष विभाग की तरफ से केबिनेट मंत्री द्वारा भाजपा जिलाध्यक्ष विरेंद्र कौशिक, एडीसी दीपक बाबू लाल करवा, डीएसपी अनूप कुमार, एसडीएम महेश कुमार, डॉ. मदन मानव, गौमठ लेघा के महंत राजनाथ को भी सम्मानित किया गया। इस आयोजन में लोगों में उत्साह दिखा।

भिवानी योगा स्टूडियो का तीन

भिवानी। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में भिवानी योगा स्टूडियो द्वारा हुडा पार्क में तीन दिवसीय योग शिविर का रविवार को समापन हो गया। कार्यक्रम में मेरा युवा भारत भिवानी, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

रविवार प्रातः 5:30 बजे से 7 बजे तक हुए कार्यक्रम में युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं योग साधकों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम जिला युवा अधिकारी मनसा के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। भिवानी योगा स्टूडियो के संचालक बंटी मेघवाल ने कहा कि योग को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी मनसा, मेरा युवा भारत भिवानी के लेखाकार एवं कार्यक्रम सहायक जितेंद्र सैनी, प्रवीण गोलागढ़, बंटी मेघवाल, सन्नी झींझर, राहुल गहलावत, मोहित कुमार, स्वराज लोहानी, मुकेश सचदेवा, दीपक चौहान, प्रवीन, सुनील, रवि एवं पुनीत आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

हरियाणा बटालियन एनसीसी ने कराया योगाभ्यास

भिवानी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर 11 हरियाणा बटालियन एनसीसी ने वैश्य महाविद्यालय परिसर में योग कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम एडम ऑफिसर कर्नल एंटोनी हेनरी के निर्देशन तथा प्राचार्य डॉ. संजय कुमार गोयल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्रशिक्षित योग प्रशिक्षक लेफ्टिनेंट डॉक्टर रीना, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के सहायक प्रवक्ता दीपक, विक्रम सिंह व कैडेट मिट्ठू व कोमल ने कैडेट्स को विभिन्न सूक्ष्म व्यायाम, आसन व प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास करवाया। इस अवसर पर एडम आफिसर कर्नल एंटोनी हेनरी ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और आध्यात्मिक विकास का सशक्त माध्यम है।

लोहार के सोहांसरा में युवाओं ने किया योगाभ्यास

लोहारू। उपमंडल के गांव सोहांसरा में युवाओं में योग दिवस मनाया और युवाओं ने कार्यक्रम में काफी उत्साह दिखाया। भिवानी जिला परिषद वाइस चेयरमैन प्रतिनिधि संजय जांगड़ा के नेतृत्व में अनेक युवाओं ने योग का अभ्यास किया। कार्यक्रम में योग शिक्षक धर्मबीर सिंह ने युवाओं को योग का अभ्यास करवाया। संजय जांगड़ा ने कहा कि भारतीय योग पद्धति को वैश्विक स्तर पर पहचान मिली है। कार्यक्रम में ब्लॉक समिति सदस्य महेंद्र सिंह, कुश्ती कोच जगदीश सिंह और खेल नर्सरी कोच राहुल सिंह उपस्थित रहे।

सिवाड़ा के राजकीय विद्यालय में बच्चों ने किया योग

बवानीखेड़ा। सिवाड़ा के राजकीय उच्च विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योग के इस कार्यक्रम में विद्यालय के अध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय के मुख्य अध्यापक बीर सिंह ने विद्यार्थियों को योग के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। योग शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। मौके पर विद्यालय के अध्यापक मुकेश मेहता एवं सुरेश मौजूद रहे।

बीके स्कूल में खंड स्तरीय कार्यक्रम में दिखा उत्साह

बवानीखेड़ा। कस्बा बवानी खेड़ा स्थित बीके सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर खंड स्तरीय योग दिवस का कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में नायब तहसीलदार सुरेश कौशिक और नगर पालिका के अध्यक्ष सुंदर अत्री ने मुख्य रूप से शिरकत की। उन्होंने कहा कि योग शरीर के तन, मन और आत्मा को एक साथ आत्म साथ करता है। योगाचार्य नवीन कुमार, सीमा देवी और सुमित्रा देवी ने संयुक्त रूप से योगाभ्यास करवाया। इस अवसर पर एसएचओ सुरेश कुमार, बीके स्कूल प्रबंधक समिति सदस्य सुभाष कौशिक, निदेशक योगेश शर्मा, प्रिंसिपल पंकज कुमार मिश्रा, आयुष विभाग के डॉ. विनोद सैनी, डॉ राजेंद्र शर्मा, विनोद कुमार, संगीता शर्मा, मोहन, मनीष, योगेंद्र, मंजू मलिक, सतेंद्र तंवर, नागेंद्र सिंह, पार्वती, प्रो. सत्यवान, प्रिंसिपल सुनील कुमार, जगन्नाथ मेहता, पूर्व एमसी राजू हंस सहित अन्य उपस्थित रहे।

आध्यात्मिक विरासत की स्वीकार्यता का प्रतीक योग

तोशाम। चौ. बंसीलाल राजकीय महिला महाविद्यालय तोशाम में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि महिला विकास निगम की चेयरपर्सन सुनीता दांगी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान एसडीएम संदीप कुमार, नायब तहसीलदार अशोक कुमार और तोशाम के सरपंच राजेश तंवर मौजूद रहे। आयुष विभाग से प्रदीप भानखड़ ने चेयरपर्सन सुनीता दांगी व एसडीएम को आयुष कीट देकर सम्मानित किया। चेयरपर्सन ने योग सहायक मंदीप, नीलम व सीमा को सम्मानित किया।

बहल: बीआरसीएम ज्ञानकुंज स्कूल में किया योगासन

बहल। बारहवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर बीआरसीएम ज्ञानकुंज स्कूल में योग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि चेयरमैन रवि महमिया व बीआरसीएम शिक्षण समिति के निदेशक डॉ. एसके सिन्हा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। योगाचार्य धर्मेंद्र शास्त्री ने अंतरराष्ट्रीय योग प्रोटोकॉल के अंतर्गत प्रतिभागियों को सूक्ष्म व्यायाम, प्राणायाम, सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, चक्रासन, धनुरासन सहित विभिन्न योगासनों का अभ्यास करवाया।

प्राणायाम से साधकों को नई-नई जानकारियां दीं

भिवानी। शहर के हुड्डा पार्क में महर्षि कपिल मुनि योगपीठ ट्रस्ट द्वारा चलाए जा रहे योग शिविर के अंतिम दिन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विशाल योग शिविर का हुआ। रोहतक से आए आचार्य दयाल सागर ने सैकड़ो योग साधकों योग करवाया। कई प्रकार के आसान व प्राणायाम से साधकों ने नई-नई जानकारियां प्राप्त की। जियो गीता समिति, भिवानी की टीम ने आचार्य दयाल सागर को सम्मानित किया। कार्यक्रम संयोजक आर्य समाज घंटाघर के प्रधान एवं पूर्व प्राचार्य विमलेश आर्य ने धन्यवाद किया। मुख्य अतिथि पूर्व कमिश्नर शमशेर सिंह कालिंगा रहे।

जिला न्यायालय परिसर में भी योग दिवस मनाया

भिवानी। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट चंडीगढ़ तथा हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) भिवानी द्वारा जिला न्यायालय परिसर में 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साह पूर्वक मनाया गया। आयोजन डीएलएसए के चेयरमैन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. गगनदीप कौर सिंह के मार्गदर्शन में आयुष विभाग के सहयोग से किया गया। योग सहायक मनीषा और गीतू ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाया। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनीष कुमार ने कहा कि वर्तमान समय तकनीक और स्मार्टफोन का युग है, लेकिन इसके कारण लोग स्वयं से दूर हो रहे हैं।

योग को आज पूरी दुनिया ने अपनाया : कपूर सिंह

- स्वर्ण जयंती पार्क में आयोजित कार्यक्रम में विधायक कपूर मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭लोहारू

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर स्वर्ण जयंती पार्क में उपमंडल स्तरीय योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बवानीखेड़ा के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि योग भारत की प्राचीन और अमूल्य धरोहर है, जिसे आज पूरी दुनिया ने अपनाया है। कार्यक्रम में एसडीएम मनोज दलाल, डीएसपी संजीव कुमार, वरिष्ठ भाजपा नेता विजय शेखावत, कमलेश भोड़का, तहसीलदार प्रियंका, नप चेयरमैन प्रदीप बंटी तायल, बीईओ विजय प्रभा, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मियों, विद्यार्थियों तथा लोगों ने सामूहिक योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया।

लोहारू। योग दिवस पर योग करते बवानीखेड़ा के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि।

सेना, वायुसेना व नौसेना के जांबाजों ने किया योगाभ्यास

- अनुशासित एवं संतुलित जीवन के लिए योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाना जरूरी : शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

रक्षा मंत्रालय से प्राप्त विशेष निर्देशों के अनुपालन में रविवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े ही उत्साह, उमंग और राष्ट्रभक्ति के माहौल में मनाया। इस अवसर पर महानिदेशालय पुनर्वास के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे भारतीय सशस्त्र बलों के वीर सैनिकों के लिए विशेष योग सत्रों का आयोजन किया। इसी कड़ी में भारतीय लागत लेखाकार संस्थान (आईसीएमएआई) के भिवानी चैप्टर द्वारा योग शिविर का आयोजन किया,जिसमें भारतीय सेना, वायु सेना और नौसेना के जांबाजों ने सक्रिय रूप से भाग लेकर एकता और अनुशासन का अनूठा संदेश दिया। चैप्टर द्वारा आयोजित इस विशेष योग सत्र का मुख्य उद्देश्य सैनिकों और आम जनमानस में शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन, आंतरिक शांति एवं एक स्वस्थ व तनावमुक्त जीवनशैली को बढ़ावा देना था। मौके पर वाईस चेयरमैन सीएमए दीपक कुमार, रणदीप शर्मा, सूबेदार मेजर सुदेश कुमार, सूबेदार आत्माराम, सूबेदार जसवीर सिंह, प्रमोद कुमार, हवलदार छोटूराम, नायक सतपाल ने योग क्रियाएं करवाई।

स्वास्थ्य, अनुशासन व सकारात्मक जीवन शैली को निरंकारी मिशन का योग दिवस

भिवानी। सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज एवं निरंकारी राजपितारमित के पावन आशीर्वाद से अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर संतनिरंकारी मिशन की विभिन्न शाखाओं में योग एवं आध्यात्मिक जागरूकता पर केंद्रित कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। इसी क्रम में जोनल इंचार्ज श्रीबलदेवराज नागपाल ने जानकारी सांझा करते हु ए बताया कि संतनिरंकारी मिशन की शाखा भिवानी में भी योग दिवस उत्साह पूर्वक हुआ। कार्यक्रम में श्रद्धालु भक्तों, सेवादल स्वयंसेवकों एवं स्थानीय नागरिकों ने सक्रिय सहभागिता की।

खिलाड़ियों ने किया योगाभ्यास

चरखी दादरी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर जिल बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा हीरा इंडोर बैडमिंटन स्टेडियम में विशेष योग कार्यक्रम का आयोजन किया। शिविर में युवा और किशोर खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करते हुए एसोसिएशन के प्रधान पंकज जैन ने कहा कि एक खिलाड़ी के लिए जीवन में योग अपनाना फायदेमंद है। संरक्षक हरिश्चंद्र गोदारा और कोच नरेश सैनी की देखरेख में खिलाड़ियों ने विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया। एसोसिएशन महासचिव लोकेश गुप्ता ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योगासन खिलाड़ियों को नकारात्मक ऊर्जा से दूर रखते हैं और कम समय में बेहतर फिटनेस परिणाम देते हैं।

लोहानी स्कूल में भी किया योगाभ्यास

भिवानी। शहीद रमेश कुमार राजकीय वमा विद्यालय लोहानी में 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया। आयोजन विद्यालय और भारत निर्माण युवा दल के सौजन्य से हुआ। कार्यक्रम का प्रारम्भ मां सरस्वती की पूजा एवं सरस्वती वन्दना से हुआ। प्रारम्भ में विद्यालय प्राचार्य भगत सिंह कोठारी ने भारत निर्माण युवा दल टीम का माल्यार्पण कर स्वागत किया। डीपीई जगबीर ग्रेवाल के निर्देशन में अनेक योग क्रियाओं से योग गतिविधिया करवाई। भारत निर्माण युवा दल की भिवानी इकाई के सुरजीत लोहानी ने सूर्य नमस्कार योग करवाया। भारत निर्माण युवा दल के डॉ. लखविंद्र कार्यक्रम के मुख्यतिथि थे। टीम के महेंद्रगढ़ इकाई के जोगेंद्र यादव ने भी विचार व्यक्त किए। मौके पर प्रवक्ता नरेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र राणा, मंजू मीनू, आदि मौजूद रहे।

नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई

भिवानी। समाज को कुरीतियों और खासकर नशे की दलदल से बाहर निकालने के लिए लोग अक्सर बड़े-बड़े भाषण देते हैं, लेकिन जब इरादा कुछ अलग और बेहद कड़ा करने का हो तो रास्ते भी अनोखे चुने जाते हैं। इन दिनों हरियाणा और देश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बने अखिल भारतीय युवा जनकल्याण संगठन के अध्यक्ष पहलवान बिजेंद्र सिंह ने समाज को जागरूक करने का बेहद कठिन और अनोखा रास्ता चुना है। वे इन दिनों उल्टे कदम चलकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत कर रहे हैं। इसी कड़ी में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भी पहलवान बिजेंद्र सिंह की अनूठी जागरूकता मुहिम थमी नहीं। रविवार को उन्होंने ना केवल अपनी कठिन यात्रा को जारी रखा, बल्कि सैंकड़ों नागरिकों को योग के महत्व को समझाते हुए नशे से दूर रहने की सामूहिक शपथ भी दिलाई।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005

नीमा व विकास नगर नागरिक सभा ने लगाया योग शिविर, उमड़ी भीड़

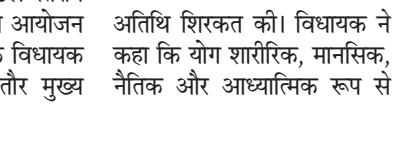

भिवानी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर रविवार को विकास नगर पार्क में योग शिविर का आयोजन किया। शिविर विकास नगर नागरिक सभा एवं नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन (नीमा) जिला भिवानी के संयुक्त तत्वावधान में हुआ, जिसमें क्षेत्र के लगभग 80 योग साधकों ने पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ भाग लेकर सामूहिक योगाभ्यास किया। कार्यक्रम का शुभारंभ नागरिक सभा के सचिव सतीश लिखा ने किया। उन्होंने शिविर में पहुंचे अतिथियों, चिकित्सकों और क्षेत्रवासियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और योग को आधुनिक जीवन की भागदौड़ में शांति और ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत बताया। शिविर में विशेष रूप से योगाचार्य सुनील कुमार ने साधकों को क्रमबद्ध तरीके से विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान (मेडिटेशन) का अभ्यास करवाया। उन्होंने हर आसन के साथ उससे शरीर और मन को मिलने वाले स्वास्थ्य लाभों के बारे में भी विस्तार से समझाया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सरपंच कमला ने महिलाओं को बताया योग का महत्व

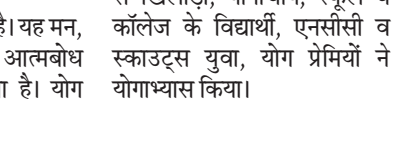

भिवानी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर रविवार को गांव झरवाई में योग और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला। गांव की सरपंच कमला देवी के नेतृत्व में ग्रामीण महिलाओं और युवतियों के लिए विशेष योग शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम में भारी संख्या में स्थानीय महिलाओं ने हिस्सा लेकर स्वास्थ्य और आरोग्यता का संदेश दिया। शिविर के दौरान सरपंच कमला ने महिलाओं को दैनिक जीवन में योग को अपनाने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। सरपंच कमला ने कहा कि आज के समय में महिलाओं पर घर और परिवार की दोहरी जिम्मेदारी होती है, ऐसे में अपने स्वास्थ्य की देखभाल करना सबसे जरूरी है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मानसिक शांति और स्वस्थ जीवन जीने की एक बेहतरीन कला है। घर की महिला स्वस्थ और ऊर्जावान रहेगी, तो पूरा परिवार और समाज समृद्ध बनेगा।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सैं.मी 10X 8 सैं.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

योग शारीरिक, मानसिक स्वस्थ होने का मूल मंत्र :सर्राफ

- सिवानी में आयोजित उपमंडल स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम में विधायक घनश्याम सर्राफ ने की बतौर मुख्य अतिथि शिरकत

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

12वें विश्व योग दिवस पर सिवानी के राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में उपमंडल स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। विधायक ने कहा कि योग शारीरिक, मानसिक, नैतिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ होने का मूल मंत्र है। यह मन, आत्मा और शक्तियों का आत्मबोध कराने का कारगर रास्ता है। योग कला, विज्ञान और दर्शन का बेजोड़ उदाहरण है।

आयुष विभाग के योग शिक्षकों ने शुरूआत कर ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्ध चक्रासन, त्रिकोणासन, भद्रासन, वज्रासन, अनुलोम व विलोम सहित अनेक योगा करवाएं। इस मौके पर विभिन्न विभागों के अधिकारी, खेल विभाग से खिलाड़ी, योगाचार्य, स्कूल व कॉलेज के विद्यार्थी, एनसीसी व स्काउट्स युवा, योग प्रेमियों ने योगाभ्यास किया।

भिवानी। सिवानी में योग दिवस पर योगा करते विधायक घनश्याम सर्राफ व सिवानी में योग दिवस पर बेहतरीन कार्य करने वालों को सम्मानित करते हुए।